हलन्त हेला बचनन्त गारी, टैंटी पीलू।
कूप जल खारी, ऐसी स्याम मधुपुरी तुम्हारी॥

बिरज भासा पतरिका

अपनी बिरज , अपनी भासा

अक्टूबर ते दिसम्बर-2017

संपादक
निरमान सोसाइटी-डीग-भरतपुर

बड़े आदमी की पहली पहचान बाकी नरमाई है।

बिरज भासा में गीत

टेक- च्यार बहू नौ नाती, गुरु मेरी सुमरन कर लेऔ माटी

पहली बहू पै मैंने पानी मांगौ दै दिये लेज बाल्टी।

गुरु जी मेरी सुमरन कर लेऔ माटी।।[1]

च्यार बहू नौ नाती, गुरु मेरी सुमरन कर लेऔ माटी।

दूजी बहू पै मैंने खानौ मांगौ दै दिये तये खटौती।

गुरु जी मेरी सुमरन कर लेऔ माटी।।[2]

च्यार बहू नौ नाती, गुरु मेरी सुमरन कर लेऔ माटी।

तीजी बहू पै मैंने कपड़ा मांगे, दै दई फटी सी गूदरिया।

गुरु जी मेरी सुमरन कर लेऔ माटी।।[3]

च्यार बहू नौ नाती, गुरु मेरी सुमरन कर लेऔ माटी।

चौथी बहू पै मैंने खटिया मांगी, दै दिये सेरे पाटी।

गुरु जी मेरी सुमरन कर लेऔ माटी।।[4]

च्यार बहू नौ नाती, गुरु मेरी सुमरन कर लेऔ माटी।

बिरज भासा में कहाबत

1.मूरख समझायौ समझौ नहीं पढगौ च्यारों बेद
जब सुद आई कुटुम की रयौ ढेड की ढेड।
अर्थ- मूर्ख व्यक्ति को आप कितना भी समझाओ वह मूर्ख ही रहता है।

2.मूरख मारै लाठी ते नाक कान फूट जांय।
ग्यानी मारै ग्यान ते अंग- अंग फूट जांय॥
अर्थ- मूर्ख व्यक्ति मूर्खता जैसे काम करता है और ज्ञानी व्यक्ति ज्ञान से ही मारता है जो सामने वाला भी अपने आप को मन में शर्म महसूस करता है।

बिरज भासा में मुहाबरे

1.अक्ल पै फत्थर परगौ- बुध्दि भ्रष्ट होना।

2.अचानचक मुसीबत आ परी - अचानक विपत्ति आना।

सुबबिचार

1.बुरी संगत में रहबे ते अच्छौ अकेलौ रहनौ।

2.हमारे जीबन कौ मकसद है खुस रहनौ।

बिरज भासा में भजन

टेक- मैं पतरी मेरी बईयां पतरी कंगना लादे स्याम,

कंगना पहर मैं बाग गई, माली कौ लड़का खाबै पछार
मैं पतरी मेरी बईयां पतरी कंगना...[1]

कंगना पहर मैं तालन गई, धोबी कौ लड़का खाबै पछार
मैं पतरी मेरी बईयां पतरी कंगना लादे स्याम...[2]

कंगना पहर मैं कोटन गई, धीमर कौ लड़का खाबै पछार
मैं पतरी मेरी बईयां पतरी कंगना...[3]

कंगना पहर मैं महलन गई, राजा कौ लड़का खाबै पछार
मैं पतरी मेरी बईयां पतरी कंगना...[4]

दोहा

1.बुगला कूं सुन्दर पंख दिये, कोयल कर दीनी काली।
काबुल में सुन्दर फूल खिले, बिरज में करील कांटों बाली।

अर्थ- कोयल की वाणी सुन्दर थी पर उसके पंख कर दिये काले, जब कि बगुला के सुन्दर पंख कर दिये और काबुल में सुन्दर फूल मिलैये (पाये जाते हैं) पर बिरज में करील कांटे बारी मिलती है।

2.दूल्हे अनेक फिरैं, बराती एक नहीं।
मूसलाधार बरसात परै, पृथ्वी पै बूंद एक नहीं।

अर्थ- जब जनक नै सीता जी कौ स्वंमवर रोपौ तौ बाराती एक भी नहीं था। यामै सभी दूल्हे- दूल्हे थे। इन्दर जी की पूजा हटाकैं जब गोवर्धन की पूजा कराई कृष्ण ने और स्वयं ने गोवर्धन पूजा। जब इन्दर नै वर्षा कौ कोप कर दिया था कि बहादो पूरे व्रज को तौ जब कृष्ण ने अपनौ चक्र छोड़ दिया और पृथ्वी पै एक भी बूंद न आने दी।

पहेली

1.दोनूं पला बराबर के तेरी पार बरीली क्यों, तनक लगी जब टपकी क्यों, टपकी तौ पौंछी क्यों। -आँख
2.हे लजबन्ती ऊंट चढन्ती, हांकन हारौ कौन मेरौ सुसर सुसर कौ सारौ बाकौ भान्जौ हांकन हारौ। -पति

बिरज भासा में कहानी

1.मूरख कचुआ

भौत पुरानी बात है। एक कचुआ कोई गांम में एक तलाब में रहबैऔ। बाकी दोस्ती दो बुगलान ते हैगी। तीनौ दोस्त एक संग खूब मजा ते रहबैये। एक पोत बा गांम में मेह ना परौ तौ म्हां पै भंयकर सूका परगी। नदी, पोखर ,तलाब सब सूकबे लग्गे, जीब-जिनाबर , मांईस प्यासे मरबे लगे। सब जीब, जानबर अपनी जान बचाबे कूं दूसरी जिगह जाबे लगे। बुगलान्नै भी दूसरी जिगह जाबे कौ फैसला कर लियौ। पर जाबे ते पहलैं अपने दोस्त कचुआ के ढिंग गये। उनकी जाबे की बात पै कचुआ राजी हैगौ। बुगला बाय छोड़ कै ना जा सकैए पर दिक्कत या बात की कचुआ उड ना सकै। उनकी बात सुनकैं कचुआ बोलौ या बात कौ भी उपाय है तुम एक मजबूत डंडी लाऔ। बा डंडीयै तुम दोनू किनारे नै अपनी चौंच ते पकर लीजौं। मैं बीच में ते अपने मौह ते पकर लिंग्गौ। बुगला बोले उपाय तौ भौत बढ़िया है पर एक सर्त है तुमको बोलबे की जादा आदत है तुम्हें अपनौ मौह चुप्प राखनौ परैगौ। कचुआ बोलौ मैं कभी भी ऐसैं मूरख पने कौ काम ना करुंगौ। ठीक है बे तौनौ आकास में उडगे। भौत देर डटकैं बे एक नगर के ऊपर ते उडरे तौ उन्नै देखबे कूं लोगन की भौत भीड़ हैगी। कोई नै ई नजारौ पहलैं कभी भी ना देखौ तौ बे जोर- जोर ते ताली बजाबे लग्गे और हल्ला मचाबे लग्गे। कचुआ पै हल्ला मचाते हुये रिहयौ ना गयौ। कचुआ नै जैसैंई बोलबे कूं मौह खोलौ, ऊ धड़ाम दैसीना नीचैं गिरगौ और मरगौ।

2.तीन लालची यार

एक पोत की बात है तीन यारे। बे एक गांम में रहवैये। बे भौत गरीबे। एक दिना काम के चक्कर में इत -बित कूं चलेगे। तौ बे एक जंगल में हैकर जारे तौ बे एक छांयादार पेड़ के नीचैं बैठगे। म्हां पै उन्नैय एक थैला पायो। बू सोने की गिर्रीन ते भर्रौ। बे भौत मगन हुये। और बिन्नैय सोने की गिर्रीन्नै बराबर बांटबे कौ फैसलौ करौ। नैक देर डटकें बिन्नै भूख लगी। तौ उनमें ते एक जनौ नजीक के गांम में चलेगौ। बू दिननिकरैं सोने खुद ही लैनौ चाहरौ तौ बानै भोजन में जहर मिला दियौ। उन दोनूं जनेन नै भी सौनौ लैबे की सोची। तौ बिन्नै तीसरे जने भीय मारबे कौ पक्कौ इरादौ कर लियौ। जब बू गांम ते बगद कैं आगौ तौ उन दोनूं जनेनन्नै बापै हमला कर दियौ। फिर बे रोटी खाबे लगे तौ जहर नै अपनौ काम कर दियौ। बे वहीं पै ही मरगे। कोई भी जनौ सोने के सिक्कान्नै ना लै सकौ और बू सोने के सिक्कान कौ थैला मरेन के ढिंग परौ रहगौ।

चुटकला

1.च्यार यार रात में गैल में हैकैं कहीं जारे। उनमें एक आंधौ, एक बहरौ, एक लंगडौ और एक नंगा। तौ सबते पहलैं बहरौ बोलौ यारौ कोई आदमी की सी अबाज आरीयै मोय तौ ऐसैं लगै कोई आगे ते आरौ होय। आंधौ बोलौ दीख तौ मोऊबै रौय। फिर लंगड़ौ बोलौ भजकैं तौ मैं ना जान दुंग्गौ। फिर नंगा बोलौ तुम कछू ना करिंगे मोय तौ ऐसैं लगै तुम मोय लुटबायेंगे।

2.एक रेल में तीन मांईस सफर कर्रे। तौ उनमें एक आस्टेलियन, एक अमेरिकन और एक इन्डियन। आस्टेलियन नै अपने लत्ता उतारे और रेल ते बहार फैंक दिये। और ऊ बोलौ हमारे देस में लत्तान की कोई कमी नाय। अब अमरिकन नै अपनी जेब ते पईसान की गड्डी निकारी और रेल ते बहार फैंक दी। और बोलौ हमारे देस में पईसान की कोई कमी नाय। अब इन्डियन बोलौ क्या आप दोनूं दरबाजे पै खड़े है सकैं। बे खडे हैगे अब इन्डियन नै दोनून में एक – एक लात मारी और रेल ते बहार फैंक दिये और बोलौ हमारे देस में मांईसन की कोई कमी नाय।

बेटी बचाओ, बेटी पढाओ॥

बच्चा की देखभार, सबरे परिबार कौ सौभाग्य है...

* मां कौ पैहल-पैहल कौ दूद अमरत जैसौय याय जरूर पिबाएं
* जनम के तुरन्तई बच्चाय दूद पिबाबौ सुरू करैं
* मां कौ दूद बच्चा काजैं पूरौ भोजन है
* बच्चा जभई दूद मांगे, बाय मां कौ दूद जरूर पिबाएं

* छै महिना तक बच्चाय मां कौई दूद पिबाएं, ऊपर ते और कछु ना दैं
* मां या बच्चा बीमार हैबे पैऊ दूद चालू रखैं
* छै महिना तेई बच्चाय घर में बनौ हलकौ भोजन दिना में 2-4 पोत जरूर खबाएं
* ऊपरी भोजन के संग मां कौ दूद चालू रखैं

* बच्चाय लत्तान में सही तरै ते लपेट कैं रखैं
* बच्चाय तातौ रखबे काजैं मां संग सुबाएं
* कमरा है साफ-सुथरौ और तातौ रखैं

* बच्चाय जनम के पहले दिनाई ना नभाएं
* टूंड़ी पै कछु ना लगाएं और सूखी रखैं
* सही समय पै टीकौ लगबाएं

बच्चा सुस्त है, बढ़िया तरै ते दूद ना पीरौ, या सांस लैबै में तकलीप है तो आसा दीदी/आंगनबाड़ी/ए एन एम दीदी ते मिलैं

तईयार करबे बारे

जगदीश चन्द नैहचैनिया
सतवीर चौधरी
रतन लाल योगी

मिलबे कौ पतौ

निर्माण सोसायटी
सहारई रोड़, ब्लू बर्ड इसकूल के पास,
डीग,भरतपुर, राजस्थान- 321203
Ph.-05641- 224424